हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, शनिवार, 10 मई 2025

तापमान

अधिकतम 35 .5 डिग्री
न्यूनतम 22 .5 डिग्री

11 अपने स्वर्णिम इतिहास से प्रेरणा ले विद्यार्थी : यादव

12 दिव्यांग बच्चों को पंहुचाया जा रहा योजना का लाभ : एडीसी

रेवाड़ी। होटल पर लोगों के कागजात चैक करते हुए पुलिस व रेलवे स्टेशन पर जांच करते हुए पुलिस। फोटो : हरिभूमि

हवाई हमलों के बाद हाई अलर्ट मोड पर पुलिस सुरक्षा के कड़े प्रबंध, सोशल मीडिया पर नजर

एसपी हेमेंद्र मीणा बोले, किसी भी प्रकार की भ्रामक या झूठी अफवाह फैलाने व पोस्ट करने पर होगी कड़ी कार्रवाई

जिले में सार्वजनिक स्थानों, होटल, धर्मशालाओं व सभी मार्गों पर नाके लगाकर की जा रही चैकिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। सुरक्षा को लेकर लगाए गए नाके पर जांच करते हुए पुलिस व नाके पर गाड़ी की जांच करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

पहलगाम आंतकी हमले के बाद भारत-पाक तनाव को लेकर जिला पुलिस हाई अलर्ट मोड़ पर है। पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा के नेतृत्व में जिले में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। जिला पुलिस की ओर से जिलेभर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने के आदेश दिए है। जिला पुलिस की ओर से सार्वजनिक स्थानों, होटलों व धर्मशालाओं में विशेष चैकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं।

जिले के सभी थानों की टीम अपने-अपने एरिये में मौजद होटल, गेस्ट हाउस व धर्मशालाओं में संदिग्धों की जांच कर रही हैं। थाना प्रबंधक व चौकी इंचार्ज अजनबी लोगों की आईडी की जांच कर रहे है। पुलिस की ओर से होटल, रेस्टोरेंट व गेस्ट हाउस के मालिकों को आगुन्तक व्यक्तियों का पूरा ब्योरा रखने, फोटो व पहचान-पत्र का रिकॉर्ड रखने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस बस अड्डा व रेलवे स्टेशन सहित सभी सार्वजनिक स्थानों पर जांच कर रही है।

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने आमजन से भी सचेत व सावधान रहने की अपील की है। एसपी ने कहा कि किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति का पता चलते ही तुरंत डायल-112 या थाने में सूचना दें।

कानून व्यवस्था बनाए रखें

एसपी हेमेंद्र मीणा ने कहा कि समाज के सभी वर्ग शांति बनाए रखें। कानून व शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का हर प्रकार से सहयोग करें। आसपास कोई भी अ सा मा जि क तत्व, संदिग्ध व्यक्ति या वाहन दिखाई दे या किसी प्रकार की आपत्तिजनक पोस्ट का पता चले तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। सोशल मीडिया पर पुलिस पैनी नजर रखे हुए है। भ्रामक या झूठी अफवाह फैलाने वालों व आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

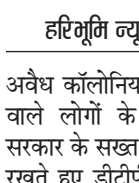

जिला पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

जिला पुलिस ने भारतीय सेना की ओर से आंतक के विरूद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन सिंदूर को लेकर आम लोगों के लिए एडवाइजरी जारी की है। एसपी हेमेंद्र मीणा ने कहा कि नागरिक आपात स्थिति में सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें। एसपी ने कहा कि जिलावासी सावधान व सर्तक रहें, घबराएं नहीं।

हवाई हमलों और अफवाहों के दौर में यह करें

- 1.सबसे पहले जान बचाना ही प्राथमिकता है, इसके लिए घर में सबसे सुरक्षित कमरे में रहे, जहां खिड़कियां न हों। बाहर हों तो पास के मजबूत ढांचे या निचली जगह में लेट जाएं। तत्काल रिकॉर्डिंग या वीडियो बनाने के लिए बाहर न दौड़ें।
- 2. इमरजेंसी किट तैयार रखें। पहचान पत्र, जरूरी दवाइयां, पानी, सूखा खाना, मोबाइल चार्जर, फ्लैशलाइट की किट एक बैग में रखें, ताकि तुरंत उठाकर निकला जा सके।
- 3. अफवाहों से बचें, केवल आधिकारिक सूचना पर भरोसा करें। सरकारी ऐप एनडीएमए, एआईआर और डीडी न्यूज जैसे विश्वसनीय स्रोतों से ही अपडेट लें। व्हाट्सअप, इंस्टाग्राम व फेसबुक पर फैली खबरों की पुष्टि करें।
- 4. मानसिक संतुलन बनाए रखें। दिन में दो बार से ज्यादा खबरें न देखें। 4-4-4-4 बॉक्स ब्रीदिंग करें, 4 सैकेंड सांस लें, रोकें, बाहर छोड़ें, रोकें और फिर दोहराएं। पूजा, प्रार्थना या ध्यान करें। बच्चों से डर की बात नहीं करें। दिनचर्या बनाए रखें। खेल, पढ़ाई, कहानियां पर ध्यान लगाएं।
- 5. समुदाय के साथ जुड़ें। पड़ोसियों से संपर्क रखें व बुजुर्गों की सहायता करें।
- कोई भी संदिग्ध चीज दिखे तो पुलिस को सूचित करें, न कि सोशल मीडिया पर डालें। फैक्ट-चेक वेबसाइट से सत्यापन करें। किसी भी लावारिश वस्तु को न छुएं तथा लावारिश वस्तु की सूचना एवं आपातकालीन स्थिति में तुरंत पुलिस को डायल-112 पर सूचना दें।

'खेलो इंडिया' के लिए सात तलवारबाज इंदौर के लिए रवाना

रेवाड़ी। शुक्रवार को जिले से खेलो इंडिया यूथ गेम्स में हिस्सा लेने के लिए 7 तलवारबाज कोच राजपाल यादव के साथ रवाना हुए। यह गेम्स मध्यप्रदेश के इंदौर में 11 से 15 मई को आयोजित किए जाएंगे। खेलो इंडिया यूथ गेम्स में पूरे प्रदेशभर से 24 तलवारबाजों का चयन हुआ है। राव तुलाराम स्टेडियम में तलवारबाजी की आवासीय अकादमी चल रही है। यहां से कई खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक मेडल प्राप्त किए है। कोच राजपाल ने बताया कि उत्तम नगर से सचिन, मंदौला से यशराज, उत्तम नगर से विश्वजीत, राजीव नगर से ध्रुव के अलावा तेजस्विनी व विजेता का खेलो इंडिया यूथ गेम्स में चयन हुआ है।

तीन एकड़ में अवैध निर्माण ध्वस्त

- लगातार चल रही डीटीटीपी की तोड़फोड़ की कार्रवाई,
- दोबारा निर्माण करने वालों पर एफआईआर कराने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। अवैध निर्माण तोड़ते हुए जेसीबी। फोटो : हरिभूमि

अवैध कॉलोनियां विकसित करने वाले लोगों के खिलाफ प्रदेश सरकार के सख्त रुख को ध्यान में रखते हुए डीटीपी की टीम मौका मिलते ही अपने काम को अंजाम दे रही है। पहले अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनियां का जायजा लिया जाता है।

जेसीबी से निर्माण ध्वस्त कर दिए जाते हैं। शुक्रवार को दिल्ला रोड पर जौनावास राजस्व सीमा में तीन एकड़ में विकसित की जा रही कॉलोनी पर जेसीबी चली। पुलिस बन की मौजूदगी के कारण इस कार्रवाई का कोई विरोध नहीं हुआ। डीटीपी के सर्वे में जिन स्थानों पर अवैध कॉलोनियां विकसित होने के स्थान चिन्हित किए जा रहे हैं, उन पर एक के बाद एक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। शुक्रवार को डीटीपी टीम जौनावास राजस्व सीमा में ड्यूटी मजिस्ट्रेट और पुलिस बल के साथ पहुंची। वहां तीन एकड़ भूमि पर तैयार की गई 7 डीपीसी, तीन चारदीवारी, तीन अवैध निर्माण और एक गोदाम पर जेसीबी चलाकर समतल कर दिया गया। पुलिस की मौजूदगी के कारण अवैध निर्माण करने वाले लोग मूकदर्शक बने अपने ही नुकसान का तमाशा देखने के सिवाय कुछ नहीं कर सके। डीटीपी ने इससे पूर्व नारनौल रोड, बावल व धारूहेड़ा के साथ-साथ दिल्ली रोड पर भी तोड़फोड़ की कार्रवाई की है।

तापमान में गिरावट के बावजूद गर्मी से नहीं मिली राहत

बरसात के नाम पर मौसम की छींटाकशी उमस ने जमकर निकाला लोगों का पसीना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। शुक्रवार दोपहर को हल्की बारिश के बाद छाए बादल।

तापमान में गिरावट के बावजूद बूंदाबांदी होते ही उमस ने लोगों के जमकर पसीने निकाले। दोपहर तक धूप के बावजूद लोगों को गर्मी का सामना नहीं करना पड़ा था, परंतु बूंदाबांदी होते ही उमस ने खूब परेशान किया। तेज हवाओं के बीच कई इलाकों में हल्की बरसात भी हुई। दो दिन तक मौसम इसी तरह बना रह सकता है।

इसके बाद आसमान साफ होने की संभावना है। शुक्रवार को सुबह के समय मौसम साफ बना रहा। दोपहर तक आसमान में बादल छा गए। अधिकतम तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस कम होकर 35.5 डिग्री पर आ गया। न्यूनतम तापमान में 0.3 डिग्री की मामूली वृद्धि हुई, जिससे यह 22.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस समय तापमान सामान्य से तीन से चार डिग्री तक कम चल रहा है। लूट के थपेड़ों की शुरूआत मई के दूसरे सप्ताह में भी शुरू नहीं हो सकी है। बीते साल मई माह के शुरू में ही लू के प्रकोप का सामना करना पड़ा था। इस बार अप्रैल माह में तीन बार पारा सामान्य से ज्यादा रहा। इससे हीटवेव का असर परेशान करने लगा था। पश्चिम विक्षोभ के बार-बार सक्रिय होने के कारण तापमान 10 दिन से सामान्य से कम बना हुआ है। इससे लोगों को भारी गर्मी के प्रकोप से छुटकारा मिला हुआ है। शुक्रवार को दोपहर बाद शहर व जिले के कई हिस्सों में बूंदाबांदी हुई। बूंदाबांदी के तुरंत बाद उमस बन गई, जिससे लोगों के पसीने निकलने शुरू हो गए।

विक्षोभ सक्रिय

मौसम विभाग के अनुसार कमजोर विक्षोभ बार-बार सक्रिय हो रहे हैं। इससे मौसम भी बार-बार बदल रहा है। कभी आसमान में बादल छाते हैं, तो कभी तेज धूप निकलती है। 11 मई तक मौसम परिवर्तनशील बना रह सकता है। इस दौरान बूंदाबांदी या हल्की बरसात होने की संभावना बनी रहेगी। 12 मई को आसमान साफ होने की उम्मीद है। इसके बाद तापमान में तेजी से वृद्धि दर्ज की जाएगी, जिससे मई माह में पड़ने वाली गर्मी अपने रंग में नजर आने लगेगी। लू के प्रकोप का सामना करना पड़ेगा। पारा चढ़ते ही बिजली की मांग बढ़ेगी, जिससे लोगों को एक बार फिर से पावर कटों का सामना करना पड़ेगा।

Under the aegis of RPS Education Society, M/Garh

RPS GROUP OF INSTITUTIONS

Approved by AICTE/DGHE (Govt. of India) & Affiliated to IGU Rewari/HSBTE, Panchkula

ENGINEERING | POLYTECHNIC | MANAGEMENT | DEGREE COLLEGE | VETERINARY

Indira Gandhi University Meerpur, Rewari
इंदिरा गाँधी विश्वविद्यालय मीरपुर, रेवाड़ी

NAAC NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL

APPROVED BY DGHE / GOVT. OF HARYANA

LALA LAJPAT RAI UNIVERSITY OF VETERINARY AND ANIMAL SCIENCES, HISAR
लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार

VETERINARY COUNCIL OF INDIA

APPROVED BY ALL INDIA COUNCIL FOR TECHNICAL EDUCATION

One of the Premier & Biggest Educational Groups of Northern India

TOTAL INSTITUTIONS 24 | TOTAL STUDENTS 55K+ | TOTAL ALUMNI 40K+ | HIGHEST PACKAGE 46 LPA | TOTAL COURSES 33

Super Achievements 2024-25

GATE NET/JRF 37 Students | GOLD MEDALISTS OF I.G. UNIVERSITY 26 Students | IIT / JAM 34 Students | UNIVERSITY POSITIONS 383+ Students

Begin your College Journey towards a Glorious Future...

SUNDAY, 25th MAY, 2025
TIMING : 10:00 AM ONWARDS
VENUE : RPS COLLEGE CAMPUS

Announces

TALENT HUNT Cum SCHOLARSHIP TEST

(To get into Higher Studies)
for XII PASSED OUT STUDENTS
ALL STREAMS

NO REGISTRATION FEE

You can Win Prizes worth Lakhs of Rupees & upto 100% Scholarship

STREAM	1st Prize	2nd Prize	3rd Prize
Med./ Non - Med.	Laptop	Tab	Android Phone
Arts	Laptop	Tab	Android Phone
Commerce	Laptop	Tab	Android Phone

Scholarship upto 100% in Tuition fee

STREAM	POSITIONS	SCHOLARSHIP
SCIENCE	4th- 5th	100%
ARTS & COMM.	6th - 10th	70%
	11th - 20th	50%
SCIENCE & ARTS	21st- 30th	30%
	31st - 50th	20%

REGISTER ONLINE ON:
www.rpsinstitutions.org
www.rpsdegreecollege.edu.in

For Stream-wise Syllabus, Exam Pattern & Other details
Visit our website: www.rpsinstitutions.org | www.rpsdegreecollege.edu.in

ADMISSIONS OPEN
Session : 2025-26
17 SCHOOLS
CLASSES FROM Nursery to XII

Courses Offered

B.Tech. CSE | CSE AI & ML | ECE | ME | CE | EE
M.Tech. CSE | ECE | ME
POLYTECHNIC CE | ME
BCA | BBA | MBA
B.Sc. MEDICAL & NON-MEDICAL Physical Science & Life Science
B.Sc. Major in PHYSICS | CHEMISTRY | MATHS BOTANY | ZOOLOGY
B.Sc. Hons with Research PHYSICS | CHEMISTRY | MATHS BOTANY | ZOOLOGY
M.Sc. PHYSICS | CHEMISTRY | MATHS BOTANY | ZOOLOGY | GEOGRAPHY
B.A. | B.Com. | M.Com.
B.V.Sc. & A.H. BACHELOR OF VETERINARY SCIENCE
VLDD VETERINARY LIVESTOCK DEVELOPMENT DIPLOMA
B.Ed.

WORLD CLASS HOSTEL
FOR BOYS & GIRLS (AC/ NON-AC)
BUS FACILITY UPTO 80 KMS.

01285-241430/1/2,
8222888337/8, 8222999153

8th Mile Stone Balana, Mahendergarh, Haryana (NCR)

Continue...

कैट परीक्षा पास कर जुड़ सकते हैं कॉर्पोरेट जगत से

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

आईआईएम और देश के अन्य सभी अच्छे बी-स्कूल के द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले एमबीए और पीजीपी पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए एक कंप्यूटर आधारित परीक्षा ली जाती है जिसे कैट कहा जाता है। प्रतिवर्ष लाखों छात्र स्नातक पास करते है। इनमें से बहुत से छात्रों का सपना होता है कि वे कॉर्पोरेट जगत के साथ जुड़कर अपना कॅरियर सेट करें और बड़े पदों पर नियुक्त होकर खूब पैसा कमाएं। इस सपने को पूरा करने के लिए मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.) एक शानदार विकल्प है।

लाखों अभ्यार्थी देते परीक्षा

एम.बी.ए. कोर्स कई संस्थानों में उपलब्ध है मगर भारत में आई.आई.एम. की तरफ आयोजित कैट परीक्षा को सबसे अधिक अहम माना जाता है। कैट की परीक्षा में हर साल लाखों अभ्यर्थी हिस्सा लेते है, इसलिए छात्रों के लिए परीक्षा पास करना सरल नहीं होता है। परीक्षा पास करने के लिए छात्रों को निरंतर तैयारी करनी होती है। आईआईएम के अतिरिक्त कुछ ऐसे कॉलेज है जो कैट स्कोर के आधार पर उम्मीदवारों को एडमिशन देते हैं जिनकी सूची इस प्रकार है।

- एस. पी जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च
- फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज
- मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट
- इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी
- जमनालाल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज
- इंटरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग

आवेदन शुल्क

अगर परीक्षा पैटर्न के बारे में बात करें तो प्रश्न पत्र में कुल छात्र सवाल आते हैं और इस प्रश्न पत्र को हल करने के लिए उम्मीदवारों को 2 घंटे का समय दिया जाता है। यदि इसकी वैलिडिटी की बात करें तो कैट स्कोर एक साल के लिए वैध रहता है। यह परीक्षा अंग्रेजी माध्यम में आयोजित की जाती है। कैट परीक्षा के लिए योग्यता की बात करें तो हिस्सा लेने वाले उम्मीदवार किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से न्यूनतम 50% अंक के साथ स्नातक पास होने चाहिए (एससी, एसटी और दिव्यांग के लिए यह 45%) तय किया गया है। जो छात्र ग्रेजुएशन के फाइनल ईयर में है वह भी कैट परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। अगर इस परीक्षा में निर्धारित किए गए आवेदन शुल्क की बात करें तो सामान्य श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए आवेदन शुल्क दो हजार तय किया गया है वहीं एससी, एसटी और दिव्यांग विद्यार्थियों को आवेदन शुल्क के रूप में 1,150 रुपये देने होते हैं।

एग्जाम के लिए योग्यता

- आवेदक भारत का नागरिक होना चाहिए।
- आवेदक भारत के किसी भी मान्यता प्राप्त कॉलेज/यूनिवर्सिटी से किसी भी स्ट्रीम में 50 % अंकों के साथ स्नातक पास हो।
- यदि आवेदक एससी एसटी पीडब्ल्यूडी श्रेणी से है तो उनके लिए आरक्षण के तहत अंकों में 5% की छूट दी गई है। ऐसे में ये सभी छात्र 45% अंकों के साथ स्नातक पास हो।
- यदि कोई अभ्यर्थी अपने स्नातक के फाइनल ईयर में है तो वह भी कैट परीक्षा के लिए आवेदन कर सकता है।
- यदि अभ्यर्थी विदेशी नागरिक हैं तो वह पीआईओ या एनआरआई श्रेणी के तहत कैट एग्जाम के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- कैट परीक्षा के लिए कोई भी आयु सीमा तय नहीं की गई है यानी कि किसी भी उम्र का व्यक्ति कैट परीक्षा दें सकता है।
- परीक्षा कितनी बार एटेम्पट की जा सकती है इस पर भी कोई बाध्यता नहीं है। कोई भी छात्र जितनी बार चाहे यह परीक्षा दें सकता है।

परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन

- कैट एग्जाम के रजिस्ट्रेशन के लिए आपको सबसे पहले कैट एग्जाम की वेबसाइट **https://iimcat.ac.in/** पर जाना होगा।
- वेबसाइट पर आने के बाद आपको दिए गए रजिस्टर के लिंक पर क्लिक करना होगा।
- रजिस्टर के लिंक पर क्लिक करने के बाद आपके सामने आवेदन फॉर्म खुल जाएगा।
- फॉर्म खुल जाने के बाद आपको इसमें सभी जरूरी जानकरियों को दर्ज करना होगा।
- जानकरी सावधानीपूर्वक भरने के बाद आपको सभी आवश्यक दस्तावेजो को अपलोड करना होगा।
- डॉक्यूमेंट अपलोड हो जाने के बाद आपको रजिस्ट्रेशन शुल्क की ऑनलाइन पेमेंट करनी होगी।
- आप फीस का भुगतान नेट बैंकिंग/डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड/यूपीआई आदि के माध्यम से कर पाएंगे।
- फीस का भुगतान करने के बाद आपको फॉर्म का प्रीव्यू कर सबमिट के बटन पर क्लिक करना होगा।
- जैसी ही आप सब्मिट के बटन पर क्लिक करेंगे आपका फॉर्म ऑनलाइन जमा हो जायेगा।
- इस प्रकार आप ऑनलाइन माध्यम से कैट एग्जाम के लिए रजिस्ट्रेशन कर सकते है।

भारत में सदियों से चली आ रही आभूषण बनाने और डिजाइन करने की कला

10वीं के बाद करें ज्वेलरी डिजाइनिंग का कोर्स, कमाई के मिलेंगे बेहतर अवसर

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

ज्वेलरी डिजाइनिंग आभूषणों को डिजाइन करने और बनाने की कला है। महिलाओं और पुरुषों द्वारा ज्वेलरी पहनने का प्रचलन मेसोपोटामिया और मिस्र की कम से कम 7,000 साल पुरानी सभ्यता से है। ज्वेलरी डिजाइनिंग के पारंपरिक विधि हाथ से चित्रकारी और ड्राफ्टिंग आज भी आभूषणों को डिजाइन करने में उपयोग में लिए जाते हैं। हालाँकि वर्तमान में ज्वेलरी डिजाइनिंग के तरीके काफ़ी बदल गए हैं। भारतीय ट्रेडिशन में गहनों को पवित्र और कीमती माना जाता है। आभूषण महिलाओं के श्रृंगार का महत्वपूर्ण हिस्सा है, हालाँकि प्राचीन काल में इनका स्वरूप मोती मणियों के आभूषण के रूप में था, जो अब बदल कर सोने-चांदी के आभूषण बन गए हैं। इन आभूषणों को बनाने का तरीका ही ज्वेलरी डिजाइनिंग कहलाता है। 20वीं सदी के दौरान ज्वेलरी

गहनों को माना जाता है पवित्र और कीमती

क्यों करें ज्वेलरी डिजाइनिंग कोर्स

- ज्वेलरी डिजाइन में छात्रों को ज्वैलरी क्रिएशन और डिजाइनिंग और ज्वैलरी डिजाइनिंग में महत्वपूर्ण सभी पहलुओं का ज्ञान प्राप्त होता है।
- ज्वेलरी डिजाइन कोर्स में मेटलर्जी, आभूषण डिजाइनिंग, डायमंड ग्रेडिंग और सॉर्टिंग, सीएडी , पोर्टफोलियो डेवलपमेंट, जेमोलॉजी, बीडिंग आर्ट आदि विषयों और विषयों के व्यापक क्षेत्र शामिल हैं।

- ज्वेलरी डिजाइन कोर्स पूरा करने के बाद, किसी ब्रांड या कंपनी में नौकरी करने के बजाय, कोई भी अपना खुद का एक ब्रांड लॉन्च करके उद्यमिता शुरू कर सकता है, जिसमें उनकी खुद की ज्वेलरी डिजाइनिंग होगी।
- ज्वेलरी डिजाइन कोर्स ज्वेलरी डिजाइन उद्योग जैसे उत्पाद विकास, ग्राफिक डिजाइन, मार्किट रिसर्च, रचनात्मकता आदि में प्रोफेशनल करियर बनाने के लिए नए कौशल सीखने में मदद करता है।
- ग्लासडोर के एक सर्वे के अनुसार, भारत में करियर के शुरुआती वर्षों में एक ज्वैलरी डिजाइनर की औसत कमाई 4-5 लाख प्रति वर्ष है।

ये करना होगा

ये स्किल्स चाहिए

- एडोब क्रिएटिव सूट
- ग्राफ़िक डिजाइन
- नेकलेस
- इंजीनियरिंग ड्राइंग
- खुदरा बिक्री
- सीएडी
- उत्पादन रूप
- कला शो
- डिजाइन प्रक्रिया
- उत्पाद विकास
- राइनो
- रुझान अनुसंधान
- बाजार अनुसंधान
- व्यापार की शो

ज्वेलरी डिजाइनिंग के विषय

डिजाइन की नींव, डिजाइन के तत्व, कंप्यूटर एडेड डिजाइन, व्यापारिक और विपणन विचार, डिजाइन के लिए उपकरण, डिजाइन के तरीके, डिजिटल प्रतिनिधित्व, गहनों का इतिहास, डिजाइन का विज्ञापन, रत्न विज्ञान और रत्नों की स्थापना।

- सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें।
- यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा।
- फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें जिसे आप करना चाहते हैं।
- अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें।
- इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें।
- यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें। प्रवेश परीक्षा के अंको के

स्टेप बाय स्टेप गाइड

स्टेप 1- इसके लिए पहला कदम है 10+2 न्यूनतम 50% के साथ उत्तीर्ण करनी होगी।
स्टेप 2- बेहतर ज्वेलरी डिजाइनर बनने के लिए आपको डिजाइनिंग को बारीकी से समझना होगा, इसलिए ज्वेलरी डिजाइनिंग की पढ़ाई करने के लिए पहले प्रवेश परीक्षा को उत्तीर्ण करना होगा। प्रवेश परीक्षा राष्ट्रीय लेवल और राज्य लेवल दोनों स्तर पर कराए जाते हैं।
स्टेप 3- प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आपकी रैंक के अनुसार कॉलेज में एडमिशन मिलेगा। एडमिशन पक्का करने के लिए आपको कॉलेज द्वारा काउंसलिंग के लिए बुलाया जाएगा।
स्टेप 4- डिजाइनिंग को और डिटेल में जानने के लिए आप इसमें मास्टर्स डिग्री भी कर सकते हैं। विदेश में मास्टर्स करने के लिए आपको जीमैट /जीआरई जैसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी।
स्टेप 5- ज्वेलरी डिजाइनिंग की पढ़ाई पूरी होने के बाद आपको इंटर्नशिप करनी होगी ताकि आप डिजाइनिंग की प्रैक्टिकल नॉलेज प्राप्त कर सकें।

टॉप विदेशी यूनिवर्सिटीज

- नोवा स्कोटिया कॉलेज ऑफ़ आर्ट एंड डिजाइन (एनएससीएडी) यूनिवर्सिटी
- कला विश्वविद्यालय, लंदन
- बर्मिंघम सिटी यूनिवर्सिटी
- हर्टफोर्डशायर विश्वविद्यालय
- इंग्लैंड के पश्चिम विश्वविद्यालय
- रॉबर्ट गॉर्डन विश्वविद्यालय
- ग्रिफ़िथ विश्वविद्यालय
- एनएससीएडी विश्वविद्यालय
- क्रिएटिव आर्ट्स के लिए विश्वविद्यालय
- अल्स्टर यूनिवर्सिटी
- लासाल कॉलेज

टॉप भारतीय यूनिवर्सिटीज

- आर्क एकेडमी ऑफ डिजाइन, जयपुर
- महात्मा ज्योति राव फूल विश्वविद्यालय, जयपुर
- आरटीएमएनयू नागपुर
- सेंट्रल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, नागपुर
- जेईसीआरसी विश्वविद्यालय, जयपुर
- एएएफटी मीडिया और कला विश्वविद्यालय, रायपुर
- जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, गुड़गांव
- भारतीय रत्न और आभूषण संस्थान- नई दिल्ली और मुंबई
- जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया- मुंबई
- भारतीय आभूषण संस्थान- मुंबई
- पर्ल एकेडमी ऑफ फैशन- दिल्ली, जयपुर, मुंबई और नोएडा
- वोग इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी- बैंगलोर, डिजाइन कॉलेज

योग्यता

- यदि आप ज्वेलरी डिजाइनिंग में डिप्लोमा या बैचलर्स कोर्स करना चाहते है तो आपको 10+2 न्यूनतम 50% के साथ उत्तीर्ण करना होगा।
- ज्वेलरी डिजाइनिंग के लिए आपको कुछ प्रवेश परीक्षाओं को उत्तीर्ण करना होगा।
- यदि आप ज्वेलरी डिजाइनिंग में मास्टर कोर्स करना चाहते हैं तो बैचलर्स डिग्री का होना आवश्यक है। विदेश में पढ़ाई करने के लिए आपको जीमैट/जीआरई परीक्षा में अच्छा अंक प्राप्त करने होंगे।
- विदेश में ज्वेलरी डिजाइनिंग की पढ़ाई करने के लिए आपको इंग्लिश लैंग्वेज टेस्ट जैसे-आईईएलटीएस/ टीओईएफएल आदि कोर्स पहले से करके तैयार रखने हैं।

टॉप जॉब प्रोफाइल

ज्वेलरी डिजाइनर, ज्वेलरी मरचेंड़ाइजर, एगजीबीशन मैनेजर, प्रोडक्शन मेनेजर, कास्टिंग मेनेजर, लेक्चरार, राइटर एंड ड्राफ्टर, म्यूजियम एंड आर्ट गैलरी मैनेजर, फ़ैशन कंसल्टेंट, ज्वेलरी हिस्टोरीयन, ग्रेडिंग एड्वाइजर, रत्न अपरेजर, ज्वेलरी डिजाइन सेल्फ बिजनेस, ज्वेलरी सेंटर।

हर छात्र को अपने जीवन में ऑपरेशन सिंदूर से लेनी चाहिए जरूरी सीख

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

भारतीय सेना हमारे देश का गौरव और शक्ति का प्रतीक है। उनके साहस, समर्पण और बलिदान की कहानियां हमें न केवल प्रेरित करती हैं, बल्कि यह भी सिखाती हैं कि देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा क्या होता है। आपने सुना होगा कि "हम सुरक्षित हैं, क्योंकि वे सीमा पर लड़ रहे हैं।" यह केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि एक ऐसी सच्चाई है, जो हर भारतीय के दिल में गर्व और कृतज्ञता जगाती है। हाल ही में भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से यह साबित किया कि कोई भी भारतीय महिला का आंसू व्यर्थ नहीं जाएगा। इस ऑपरेशन का नाम और इसकी भावना उन महिलाओं को समर्पित है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया। आइए, इस ऑपरेशन से प्रेरणा लें और समझें कि कैसे हम अपने जीवन में उनके गुणों को अपनाकर देश के लिए गर्व का कारण बन सकते हैं।

सीमा पर उनकी वीरता, हमारे लिए शांति

जब आप अपने स्कूल में पढ़ रहे होते हैं, दोस्तों के साथ हंसते-खेलते हैं या अपने परिवार के साथ समय बिता रहे होते हैं, उस समय भारतीय सेना के जवान बर्फीली चोटियों, रेगिस्तान की गर्मी या जंगलों की कठिन परिस्थितियों में देश की रक्षा कर रहे होते हैं। ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने केवल 25 मिनट में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया, जिसमें 70 से अधिक आतंकी मारे गए। यह कार्रवाई इतनी सटीक थी कि किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया, जिससे भारत की संयमित और जिम्मेदार छवि दुनिया के सामने आई। ऑपरेशन सिंदूर हमें सिखाता है कि मुश्किल हालातों में भी धैर्य, अनुशासन और एकजुटता से बड़ी से बड़ी चुनौती को पार किया जा सकता है। जब आप पढ़ाई में किसी जटिल विषय से जूझ रहे हों, किसी असाइनमेंट में असफल हों या अपने सपनों को पूरा करने में रुकावटें आएं, तो भारतीय सेना के जवानों की वीरता को याद करें। उनकी तरह आपको भी हार नहीं माननी है। ऑपरेशन सिंदूर से हमें कुछ महत्वपूर्ण सबक मिलते हैं। सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को सावधानीपूर्वक योजना और सटीकता के साथ अंजाम दिया। आप भी अपनी पढ़ाई और लक्ष्यों के लिए एक योजना बनाएं और उसे पूरी मेहनत से लागू करें। टीम वर्क की ताकतः ऑपरेशन सिंदूर में सेना, नौसेना और वायुसेना ने मिलकर काम किया।

धैर्य और अनुशासन

ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने संयम और अनुशासन के साथ कार्रवाई की। आप भी अपने जीवन में अनुशासन लाएं, समय का पालन करें और धैर्य के साथ अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ें।

छात्र यात्रा में सेना की प्रेरणा : कई बार स्कूलों में छात्रों को सेना के कैंप या शैक्षिक यात्राओं पर ले जाया जाता है। वहां आपने देखा होगा कि जवान कितने अनुशासित, शांत और आत्मविश्वासी होते हैं। उनकी कहानियां और उनके मिशन, जैसे ऑपरेशन सिंदूर, हमें बताते हैं कि जीवन में कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। इस ऑपरेशन ने न केवल आतंकी ठिकानों को नष्ट किया, बल्कि उन परिवारों को न्याय दिलाया, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया। प्रियदर्शिनी सत्पथी, जिनके पति प्रशांत सत्पथी पहलगाम हमले में शहीद हुए, ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर का नाम प्रतीकात्मक है आतंकी हमले ने मासूम महिलाओं के माथे से पवित्र सिंदूर छीन लिया। जब आप अपनी पढ़ाई में मेहनत करते हैं, तो यह सोचें कि आपकी सफलता आपके देश को मजबूत बनाएगी। चाहे आप डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक या कुछ और बनें, अगर आप अपने काम को पूरी लगन और ईमानदारी से करेंगे, तो आप भी अपने देश के लिए एक सैनिक की तरह योगदान देंगे।

सामान्य ज्ञान

1. ऋग्वेद में सबसे पवित्र नदी किसे माना गया है?
(ए) सिन्धु
(बी) सरस्वती
(सी) परुष्णी
(डी) शतुद्रि
2. वैदिक समाज की आधारभूत इकाई थी
(ए) कुल / कुटुम्ब
(बी) ग्राम
(सी) विश
(डी) जन
3. ऋग्वैदिक काल के उस सबसे प्रधान देवता की पहचान करें, जिसकी स्तुति में 250 सूक्तों की रचना की गयी थी
(ए) इन्द्र
(बी) अग्नि
(सी) वरुण
(डी) सूर्य
4. किस वेद में सभा को 'नरिष्ट' अर्थात सामूहिक वाद-विवाद या अनुल्लंघनीय कहा गया है?
(ए) ऋग्वेद
(बी) यजुर्वेद
(सी) सामवेद
(डी) अथर्ववेद
5. किस रचना में नारी को सुरा और पांसा के साथ तीन प्रमुख बुराइयों में शामिल किया गया है?
(ए) मैत्रायणी संहिता
(बी) जावाल उपनिषद्
(सी) शतपथ ब्राह्मण
(डी) छांदोग्य उपनिषद्
6. उत्तर-वैदिक काल में किस देवता को सर्वोच्च स्थान प्राप्त था?
(ए) प्रजापति
(बी) इन्द्र
(सी) विष्णु
(डी) रुद्र
7. संस्कारों की कुल संख्या कितनी है?
(ए) 14
(बी) 15
(सी) 16
(डी) 18
8. तीन ऋण में शामिल नहीं है
(ए) देव ऋण
(बी) पितृ ऋण
(सी) ऋषि ऋण
(डी) मातृ ऋण
9. ऋग्वैदिक काल से संबंधित मृदभांड संस्कृति है
(ए) गेरुवर्णी मृदभांड (**OCP**) संस्कृति
(बी) चित्रित धूसर मृदभांड (**PGW**) संस्कृति
(सी) **a** और **b** दोनों
(डी) इनमें से कोई नहीं

उत्तर 1.(बी) 2.(ए) 3.(ए) 4.(डी) 5.(ए) 6.(ए) 7.(सी) 8.(डी) 9.(ए)

खबर संक्षेप

रेवाड़ी। कार्यक्रम में डांस करते हुए बच्चे।

मातृ दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बांधा समां

बावल। नंगली परसापुर रोड़ स्थित सरवन इंटरनेशनल स्कूल में शुक्रवार को मातृ दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। प्रधानाचार्य अतुल कुमार ने समन्वयक संगीता चौधरी, ज्योत्सना सिंह व ज्योति अग्रवाल के साथ सभी अभिभावकों का स्वागत किया। कक्षा नर्सरी से आठवीं तक के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए तथा नौवीं से बारहवीं कक्षा के लिए फोटो फ्रेम मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस अवसर पर छात्रों ने अपनी-अपनी मां को सम्मानित किया। छात्रों ने माता-पिता के लिए नृत्य, गीत, नाटक और भाषण की प्रस्तुति दी। माताओं के लिए खेल और नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई।

लोक अदालत आगामी आदेशों तक स्थगित

रेवाड़ी। सीजेएम एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव अमित वर्मा ने बताया कि

राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर मौजूदा हालात को देखते हुए 10 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को आगामी आदेशों तक स्थगित किया गया है। उन्होंने बताया कि आगे की तिथि की जानकारी बाद में दी जाएगी।

कोसली कोर्ट में होने वाली लोक अदालत स्थगित

कोसली। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 10 मई को कोसली कोर्ट कैंपस में आयोजित होने वाली लोक अदालत को स्थगित कर दिया गया है। उपमंडल विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन एवं एडिशनल सिविल जज सीनियर डिवीजन अशोक कुमार ने बताया कि लोक अदालत अभी फिलहाल वर्तमान हालात को देखते हुए स्थगित कर दिया गया है। हाईकोर्ट से नया शेड्यूल आने पर लोक अदालत का आयोजन होगा।

जिम से लौट रहे युवक पर डंडों व रॉड से हमला

कुंड। गांव देहलावास निवासी गौरव ने बताया कि वह 7 मई को सुबह जिम से अपने दोस्त की मोटरसाइकिल पर गांव जा रहा था। जब वे भटेड़ा रेलवे फाटक क्रास करके नहर के पुल पर पहुंचे तो वहां पहले से मौजूद सोहिल उर्फ बांगड, गौरव, अशीष उर्फ कल्लु, विकास उर्फ मोगली, मोहित उर्फ मोती निवासी देहलावास-गुलाबपुरा सहित चार अन्य युवकों ने उनका रास्ता रोक लिया। सोहिल उस पर डंडे से हमला कर दिया, जब वह भागने लगा तो विकास उर्फ मोगली ने उस पर लोहे की रॉड वार किया। इसके बाद सभी युवकों ने उसके साथ मारपीट की। राहगीरों ने उसे युवकों से बचाया।

बाइक सवार युवक का रास्ता रोककर मारपीट

डहीना। गांव मूंदी निवासी समय सिंह ने पुलिस को बताया कि 7 मई को शाम वह गांव से मोटरसाइकिल अपने दोस्त देव के साथ किसी काम से गांव मोतला जा रहा था। उसका देव रास्ते में फाटक के पास उतर गया। जब वह गांव औलांत में राजबीर के मकान के सामने पहुंचा तो बाइक पर आए कपिल गांव बुड़ौली व उसके साथ दो अन्य लडकों ने उसका रास्ता रोक लिया और उससे देव के बारे में पूछा। इतने में एक कार में 3-4 लड़के डंडे लेकर आ गए। जब वह राजबीर के मकान में घुसने लगा तो युवकों ने उसे पकड़ लिया और डंडे व लात-घूसों से मारपीट की।

दैनिक रेलयात्री महासंघ ने भेजा पीएम को ज्ञापन

महेंद्रगढ़। दैनिक रेलयात्री महासंघ ने अपनी मांगों को लेकर पीएम, रेलमंत्री व रेलवे अधिकारियों के नाम ज्ञापन स्टेशन मास्टर सरीता को सौंपा हैं। दैनिक रेलयात्री महासंघ अध्यक्ष रामनिवास पाटोदा ने बताया कि जोधपुर-दिल्ली ट्रेन का ऋषिकेश तक का विस्तार छह वर्षों अटका पड़ा है।

आमजन को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जागरूक किया

ब्लैकआउट जैसी स्थिति आने पर घबराएं नहीं, बनें जागरूक : डीसी

अधिकारियों और कर्मचारियों को आगामी आदेश तक हेडक्वार्टर मेनटेन रखने के दिए आदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा।

जिला प्रशासन किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से सजग एवं सतर्क है। आपातकाल परिस्थिति को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सभी व्यापक प्रबंध करते हुए आमजन को भी नागरिक सुरक्षा तंत्र व राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जागरूक किया जा रहा है।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन एवं डीसी अभिषेक मीणा ने मौजूदा हालात को देखते हुए आमजन को जागरूक रहने की अपील करते हुए कहा कि वे सोशल मीडिया पर असत्यापित जानकारी पर विश्वास न करें और केवल प्रशासनिक अधिकृत जानकारी पर ही विश्वास रखें। डीसी ने आगामी ब्लैकआउट जैसी स्थिति आने पर लोगों को घबराने की अपेक्षा जागरूक नागरिक होने का परिचय देते हुए प्रशासन के सहयोगी बनें रहने की अपील की है।

घरों के अंदर रहें लोग और लाइट बंद रखें

डीसी मीणा ने बताया कि यदि आवश्यकता होती है तो प्रशासन की ओर से किए जाने वाले ब्लैकआउट के दौरान सभी को कुछ सावधानियां बरतनी है। उन्होंने बताया कि ब्लैकआउट के दौरान लोग घर के अंदर रहें और खिड़कियों से दूर रहें। अगर आप गाड़ी चला रहे हैं तो अपनी गाड़ी को किनारे पर पार्क करें और लाइट बंद कर दें, इधर-उधर बाहरी क्षेत्र में न घूमें। अलर्ट के दौरान सभी इनडोर और आउटडोर लाइट बंद कर दें, जिसमें इन्वर्टर या वैकल्पिक बिजली आपूर्ति को डिस्कनेक्ट करना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि ब्लैकआउट की घोषणा होने व सायरन चालू होने पर गैस-इलेक्ट्रिक उपकरण बंद कर दें। साथ ही बच्चों, बुजुर्गों और पालतू जानवरों की हर समय निगरानी भी रखें। उन्होंने कहा कि ब्लैकआउट के दौरान खिड़कियों के पास फोन या एलईडी डिवाइस का इस्तेमाल करने से बचें, मोटे पर्दे का इस्तेमाल करें या खिड़कियों को कार्डबोर्ड या पैनल से ढकें। उन्होंने लिफ्ट का उपयोग करने से बचने की सलाह भी दी है, क्योंकि ब्लैकआउट होने की स्थिति में लिफ्ट के निष्क्रिय होने की अधिक संभावना रहती है।

अपुष्ट जानकारी को न करें साझा

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन अभिषेक मीणा ने लोगों से अनुरोध किया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर किसी भी प्रकार की बिना अधिकृत अथवा अपुष्ट फोटो, वीडियो अथवा न्यूज का संप्रेषण अपने प्रचार माध्यम अथवा सोशल मीडिया पर न करें। साथ ही यदि कहीं कोई ऐसी फेक न्यूज बारे सूचना मिलती है तो उसे अपने माध्यम से आगे प्रचारित न करें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा नियमों की पालना करना सभी के लिए बेहद जरूरी है। डीसी ने राज्य सरकार, बोर्ड, निगम व विश्वविद्यालय आदि के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को अपने-अपने स्टेशन बनाए रखने के आदेश दिए हैं। डीसी ने कहा कि सभी अधिकारी व कर्मचारी अपने मुख्यालय या स्टेशन जिले के अंदर कायम रखते हुए आगामी आदेश तक हेडक्वार्टर मेंनटेन रखें।

व्यक्तित्व विकास में माता का योगदान

- सतीश पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मातृत्व दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षिकाएं व माताएं। *फोटो: हरिभूमि*

दिल्ली रोड स्थित सतीश पब्लिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल में शुक्रवार को मातृत्व दिवस धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय की प्राचार्या संगीता यादव की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ।साथ उनकी माताओं ने मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। प्राचार्या ने कहा कि बच्चे की सबसे पहली व सर्वाधिक महत्वपूर्ण शिक्षिका मां ही होती हैं। सही मायने में विद्यार्थी के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास में माता का सर्वाधिक योगदान होता है। विद्यालय में तो बच्चा शिक्षा ग्रहण करता है, जबकि उसे अच्छे संस्कार देने में मां का महत्वपूर्ण योगदान होता है। कार्यक्रम में सभी माताओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

देश की रक्षा करना हमारा बड़ा धर्म : अनिल

हरिभूमि न्यूज ⏭कोसली

रेवाड़ी। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते विधायक अनिल यादव।

कोसली के विधायक अनिल यादव ने कहा कि आतंकवाद के विरुद्ध पाकिस्तान को कड़ा जवाब देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सशक्त भारत का उदाहरण प्रस्तुत किया है। हमारी सेना के जवान बधाई के पात्र हैं, जो सीमा पर दुश्मन का डटकर सामना कर रहे हैं।

विधायक अनिल यादव शुक्रवार को अपने कार्यालय में लोगों को संबोधित कर रहे थे थे। उन्होंने कहा कि कोसली विधानसभा क्षेत्र में एक-एक जनसमस्या का प्रभावी ढंग से निराकरण किया जा रहा है। हलके में बिजली-पानी की कोई कमी नहीं है। प्रत्येक गांव की पंचायत की मांग के अनुसार विकास परियोजनाओं को मंजूरी दिलाई जा रही है। विधायक ने कहा कि मौजूदा हालात में हम सबको एकजुट होकर अपनी सेना और सरकार का साथ देना है। इसलिए किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न करें। सोशल मीडिया का प्रयोग सावधानी से करें। हम सब देशवासी एक हैं और भारत की रक्षा करना हमारा सबसे बड़ा धर्म है। इस अवसर पर वंदना पोपली, नाहड़ के मंडल अध्यक्ष हरीश, कोसली मंडल अध्यक्ष अनूप यादव, बलजीत यादव, प्रेमप्रकाश नाहड़, भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अशोक यादव लुखी, आदि मौजूद थे।

298 छात्रों का कंपनियों में चयन

- कुंड-मनेठी की आईटीआई में रोजगार मेले का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭कुंड

रेवाड़ी। रोजगार मेले में साक्षात्कार लेते हुए अधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग पंचकूला के निर्देशनुसार राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कुंड-मनेठी में शुक्रवार को विभिन्न आईटीआई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र-छात्राओं को रोजगार देने के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में 298 छात्र-छात्राओं का रोजगार व अप्रेंटिस के लिए विभिन्न कंपनियों में चयन किया गया।

मेले में रेवाड़ी, धारूहेड़ा, बावल व घिलोठ की कंपनियों ने भाग लिया। कंपनियों के प्रतिनिधियों ने अपनी डिमांड के अनुसार युवाओं का चयन किया। आईटीआई कुंड के प्रधानाचार्य रविन्द्र कुमार ने कहा कि इस प्रकार के रोजगार मेले का आयोजन आईटीआई पास छात्र-छात्राओं को कैंपस में ही रोजगार प्रदान कराना है। इस मौके पर डा. अरविंद यादव, सहायक जिला रोजगार अधिकारी दिनेश तंवर, मास्टर नरेंद्र यादव, सुभाष यादव ढाणी शोभा, सरपंच नरेश यादव, दिनेश यादव तथा प्रदीप नारायणपुर सहित अनेक लोग मौजूद थे।

अपने स्वर्णिम इतिहास से प्रेरणा लें : यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

- विश्वकर्मा सीनियर सैकेंडरी स्कूल में व्याख्यान संपन्न
- भाविप ने माता अहिल्याबाई की जीवनी छात्रों को बताई

रेवाड़ी। विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए डा. आरबी यादव।

भारत विकास परिषद शाखा की ओर से शुक्रवार को विश्वकर्मा सीनियर सैकेंडरी स्कूल में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के त्रिस्ताबदी जन्मोत्सव पर उनकी जीवनी से बच्चों को प्रेरित करने के लिए व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य वक्ता भारत विकास परिषद के पूर्व क्षेत्रीय सचिव व वरिष्ठ चिकित्सक डा. आरबी यादव ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने स्वर्णिम इतिहास से प्रेरणा लेनी चाहिए।

उन्होंने बताया कि लोकमाता अहिल्याबाई ने साधारण परिवार में जन्म लिया और अपनी समझदारी व दूरदर्शिता से न केवल महारानी बनी और बड़े-बड़े मंदिरों का पुनरुत्थान भी कराया। प्रिंसिपल श्रुति शर्मा ने भारत विकास परिषद शाखा का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में शाखा संरक्षक रमेश सचदेवा, शाखा अध्यक्ष दिनेश सैनी, सचिव राम किशोर सैनी, कोषाध्यक्ष प्रेम मेहंदीरत्ता, ज्योति शर्मा व दयाराम आर्य सहित विश्वकर्मा शिक्षण संस्थान के प्रधान हेमंत शर्मा, सचिव धीरज शर्मा तथा स्कूल के सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

पर्वतारोही आराध्या चंद्रशिला के लिए रवाना

- शहीद सिद्धार्थ की देशभक्ति हम सभी के लिए प्रेरणा : आराध्या

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

रेवाड़ी। आराध्या को रवाना करते हुए गणमान्य लोग। *फोटो: हरिभूमि*

जिले की युवा पर्वतारोही आराध्या ने शुक्रवार को चंद्रशिला ट्रेक के लिए प्रस्थान किया। इस साहसिक यात्रा का फ्लैग-ऑफ शहीद फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव के माता-पिता, सुशील यादव और सुशीला देवी ने किया। आराध्या ने इस ट्रेक को सिद्धार्थ यादव की स्मृति में समर्पित किया है, जिन्होंने 2 अप्रैल 2025 को गुजरात के जामनगर में एक प्रशिक्षण मिशन के दौरान वीरगति प्राप्त की थी।

सिद्धार्थ यादव माजरा भालखी गांव के निवासी थे। सिद्धार्थ ने 2016 में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश लिया और 2019 में भारतीय वायुसेना में कमीशन प्राप्त किया। आराध्या ने कहा कि शहीद सिद्धार्थ की बहादुरी और देशभक्ति हम सभी के लिए प्रेरणा है। आराध्या की मां निशा धनियान ने कहा कि यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। यतीश सिंघल ने कहा कि आराध्या सिर्फ पर्वतारोहण नहीं कर रही, बल्कि संदेश दे रही है कि देशभक्ति उम्र की मोहताज नहीं होती। इस मौके पर दिव्या खोश्या, सचिन इंजीनियर, प्रोफेसर शमशेर सिंह, संजीव यादव, मामन चंद, अजय खोला, सुरेंद्र यादव, राहुल, प्रवीण यादव व महिपाल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

अभिभावकों ने अपने बच्चों के साथ गतिविधियों में भाग लिया

- डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में पैरेंट्स ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में बच्चों के साथ शिक्षक व अभिभावक। *फोटो: हरिभूमि*

दिल्ली रोड पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को पैरेंट्स ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जूनियर विंग के छात्र-छात्राओं के माता-पिता के लिए आयोजित किया गया।

इस अवसर पर बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों ने भी विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इस मौके पर प्रधानाचार्य नरेंद्र सिंह दहिया ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य माता-पिता और शिक्षकों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि माता-पिता और शिक्षकों के संयुक्त प्रयास से ही बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में माता-पिता को बच्चों की शिक्षा और विकास के बारे में जानकारी दी गई। मदर्स-डे के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अभिभावकों ने अपने बच्चों के साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। विद्यालय के स्टाफ सदस्यों ने कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रोग प्रतिरोधक प्रणाली खुद स्वस्थ ऊतकों-अंगों पर करती है हमला

ल्यूपस के शुरुआती संकेतों को पहचानना जरूरी

- ल्यूपस एक जटिल और अक्सर गलत समझा जाने वाला ऑटोइम्यून रोग: डा. इंद्रजीत

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

डा. इंद्रजीत अग्रवाल।

सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस, जिसे आमतौर पर ल्यूपस कहा जाता है, यह एक जटिल और अक्सर गलत समझा जाने वाला ऑटोइम्यून रोग है।

डा. इंद्रजीत अग्रवाल ने बताया कि यह स्थिति व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। अक्सर बिना चेतावनी और ऐसे लक्षणों के साथ जो पहली नजर में असंबंधित लगते हैं। ल्यूपस के बारे में जागरूकता बढ़ाना सिर्फ जरूरी नहीं बल्कि अनिवार्य है, क्योंकि समय रहते इसे पहचानने और उपचार शुरू करने से स्थाई क्षति को रोका जा सकता है। डा. इंद्रजीत ने बताया कि जब शरीर की रोग प्रतिरोधक प्रणाली, जो सामान्य रूप से संक्रमण से लड़ने का काम करती है, खुद स्वस्थ ऊतकों और अंगों पर हमला करने लगे तो यह ल्यूपस होता हैं।

यह शरीर के कई हिस्सों त्वचा, जोड़ों, किडनी, फेफड़े, हृदय और तंत्रिका तंत्र की पुरानी सूजन और क्षति का कारण बन सकती है।

ल्यूपस के लक्षण कई अन्य बीमारियों जैसे आर्थराइटिस, थायरॉइड समस्याएं, संक्रमण या कैंसर से मिलते-जुलते हो सकते हैं। इसके अलावा, यह रोग समय-समय पर उतार-चढ़ाव करता है। कभी लक्षण सक्रिय होते हैं तो कभी रोग शांत अवस्था में चला जाता है, जिससे इसे ट्रैक करना और मैनेज करना और भी कठिन हो जाता है। यह रोग मुख्यतः महिलाओं को प्रभावित करता है।

इस रोग के ये हैं प्रारंभिक लक्षण

ल्यूपस के शुरूआती संकेतों को पहचानना बेहद जरूरी है, क्योंकि यही बीमारी को काबू में लाने का पहला कदम है, जिसमें अत्यधिक थकान जो आराम से ठीक न हो, लगातार या बिना कारण बुखार, हाथों और घुटनों में जोड़ों का दर्द, सूजन या अकड़न, गाल और नाक पर तितली के आकार का चकत्ता, बालों का झड़ना या पतला होना, सूरज की रोशनी से बढ़ती संवेदनशीलता, बार-बार मुंह में छाले होना, सीने में दर्द या सांस लेने में तकलीफ, पैरों में सूजन या आंखों के आसपास फूलेपन की शिकायत, मिर्गी, याद्दाश्त की समस्या या मूड में बदलाव जैसे न्यूरोलॉजिकल लक्षण हो सकते हैं।

ल्यूपस को किया जा सकता है नियंत्रित

ल्यूपस की पुष्टि के लिए कोई एकल टेस्ट नहीं होता। इसका निदान रोगी की मेडिकल हिस्ट्री, लक्षणों और विभिन्न जांचों के आधार पर किया जाता है। कुछ मामलों में त्वचा या किडनी की बायोप्सी की आवश्यकता भी पड़ सकती है। हालांकि ल्यूपस का इलाज संभव नहीं है, लेकिन इसे नियंत्रित किया जा सकता है। इलाज रोग की तीव्रता और प्रभावित अंगों के आधार पर तय किया जाता है। समय रहते लक्षणों की पहचान और प्राथमिक डॉक्टरों द्वारा रुमेटोलॉजिस्ट को रेफरल से अंग क्षति और दीर्घकालिक विकलांगता से बचाव किया जा सकता है।

बच्चों ने मातृ दिवस पर मां के त्याग और ममता की सीख को दर्शाया

रेवाड़ी। दिल्ली रोड स्थित डॉन बॉस्को पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को हर्षोल्लास के साथ मातृ दिवस मनाया गया। सभी बच्चों ने अपनी मां के त्याग और ममता की सराहना करते हुए कार्यक्रम पेश किए। बच्चों ने नृत्य के माध्यम से मां की कुर्बानियों को बताया, वहीं कुछ बच्चों ने अपनी मां की सीख को दर्शाया। बच्चों ने अपनी मां के लिए सुंदर व आकर्षक कार्ड भी बनाएं। स्कूल की प्रधानाचार्या पिंकी तंवर ने बच्चों को मां के बलिदान के बारे में बताते हुए कहा कि हमारी पहली गुरु मां है। सभी बच्चों को उनकी सीख को अपने जीवन में उतारना चाहिए व उन पर अपना सर्वस्व न्योछावर करना चाहिए।

P.M.SHRI G.G.S.S.S. REWARI (2541)
BLOCK: REWARI. DISTT. REWARI

बोली सूचना

P.M.SHRI G.G.S.S.S. Rewari (2541) के जर्जर भवन के सामान की खुली बोली दिनांक 16.05.2025 को समय 11 बजे स्कूल प्रांगण में कराई जाएगी। नियम व शर्तें मौके पर बताई जाएंगी। एस.एम.सी. (SMC) का निर्णय अन्तिम होगा।

P.M.SHRI G.G.S.S.S. Rewari
Near Kahoud Gate, Circular Road Rewari
9729951127 Block-Rewari Distt. Rewari

खबर संक्षेप

बस चालक की लापरवाही से मामा-भांजा घायल

रेवाड़ी। दिल्ली-जयपुर मार्ग स्थित मसानी स्कूल के पास निजी स्कूल बस चालक की लापरवाही से बाइक सवार मामा-भांजा घायल हो गए। गांव ढाणी कोलाना निवासी सचिन नोएडा मेट्रो अस्पताल से मामा सुरेश कुमार निवासी डोहरकला महेन्द्रगढ के साथ मोटरसाइकिल से अपने घर जा रहा था। मसानी सरकारी स्कूल के पास पहुंचे तो ऋषि पब्लिक स्कूल के बस चालक ने डिवाइडर की तरफ मोड़ दिया, जिससे टक्कर लगने से दोनों सड़क पर गिर गए। दुर्घटना में दोनों को काफी चोटें आई।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

धारूहेड़ा। दिल्ली-जयपुर हाइवे धारूहेड़ा में कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। फतेहगढ उत्तर प्रदेश हाल में द्वारकाधीश महेश्वरी में रहने वाले संदीप ने धारूहेड़ा थाना पुलिस को बताया कि 4 मई को रात्रि करीब 8 बजे वह बाइक पर जा रहे थे। एक वैगमनआर कार चालक ने बाइक को सामने से टक्कर मार दी, जिससे दोनों बाइक सहित सड़क पर गिर कर घायल हो गए।

लगन समारोह से बाइक ले गए चोर

धारूहेड़ा। गांव खरखड़ा में लगन समारोह से चोर मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए। गांव निवासी सतपाल ने धारूहेड़ा थाना पुलिस को बताया कि 6 मई को उसके लड़के का लगन समारोह था। उनकी मोटरसाइकिल हनुमान मंदिर खरखड़ा के पास लगे टैंट के गेट के पास खड़ी थी। जब उन्होंने अगले दिन सुबह देखा तो वहां से मोटरसाइकिल गायब थी।

क्षेत्र के गांव से महिला बेटी के साथ लापता

कसोला। कसोला थाना क्षेत्र के गांव से एक महिला अपनी बेटी के साथ लापता हो गई। महिला के पति ने कसोला थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 29 वर्षीय पत्नी व 8 वर्षीय बेटी 7 मई सुबह 11 बजे से लापता है। दोनों अपने पुराने मकान पर गांव में सफाई करने गई थी। फिलहाल उनका परिवार खेत में बने मकान में रह रहा है। काफी तलाश करने व रिश्तेदारी में पता करने पर भी दोनों का कोई सुराग नहीं लग पाया। गुमशुदगी का केस दर्ज कर लिया।

सर्राफा बाजार से ज्वेलर्स की बाइक चोरी

रेवाड़ी। शहर के सर्राफा बाजार में दुकान के बाहर से ज्वेलर्स की बाइक चोरी हो गई। नई आबादी निवासी पवन कुमार ने भाड़ावास गेट चौकी पुलिस को बताया कि उसकी सर्राफा बाजार में ज्वेलर्स की दुकान है। 7 मई को शाम करीब 7:30 बजे उसने दुकान के पास मोटासाइकिल खड़ी की थी। जब वह घर जाने लगा तो दुकान के बाहर से बाइक गायब मिली। काफी तलाश करने पर भी बाइक बका पता नहीं चल सका।

आंकेड़ा टाइल्स कंपनी से व्यक्ति लापता

धारूहेड़ा। आंकेड़ा स्थित टाइल्स कंपनी से व्यक्ति लापता हो गया। राजपुरा तालुका झालोद जिला दाहोद गुजरात निवासी सुशीला वैन ने सेक्टर-6 धारूहेड़ा थाना पुलिस को बताया कि वह अपने पति मच्छार गोविंद भाई व 6 साल की बेटी के साथ 5 मई को मजदूरी करने के लिए ठेकेदार विपुल भाई निवासी खेडा झालोद जिला दहोद के साथ यश टाइल्स कंपनी आंकेड़ा में आए थे।

आठ किसानों के नलकूपों पर हाथ साफ किए

रेवाड़ी। ट्यूबवेलों से किसानों की पंप सेटों की केबल चोरी करने वाला गिरोह फिर से सक्रिय हो गया है। वीरवार की रात चोर लोधाना में 8 किसानों के खेतों में बने कमरों के ताले तोड़कर हजारों रुपये की केबल चोरी कर ले गए। कसोला पुलिस को दर्ज शिकायत में लोधाना निवासी ईश्वर सिंह ने बताया कि ट्यूबवेल पर गया तो वहां कमरे का ताला टूटा हुआ था। सबमर्सीबल पंप तक की केबल चोरी हो गई।

साफ-सफाई रखने, संतुलित आहार व पर्याप्त जल सेवन करने की सलाह

उमस से बढ़ा मौसमी बीमारियों का प्रकोप, अस्पतालों में ओपीडी में इजाफा

नागरिक अस्पताल में एलर्जी, बुखार, उल्टी-दस्त और आंखों की जलन से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले के सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों में बदलते मौसम के साथ उमस भरी गर्मी ओपीडी काफी बढ़ गई है। पिछले दिनों तापमान में बढ़ोतरी के बाद अचानक मौसम बदलने से मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ गया है। खासकर बच्चे और बुजुर्ग अधिक प्रभावित हो रहे हैं। डॉक्टरों ने इस मौसम में बीमारियों से बचाव के लिए साफ-सफाई रखने, संतुलित आहार व पर्याप्त जल सेवन करने की सलाह दी है। नागरिक अस्पताल में एलर्जी, बुखार, उल्टी-दस्त और आंखों की जलन जैसी मौसमी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ी है। फिजिशियन डा. गौरव यादव ने कहा कि ऐसे मौसम में खानपान और रहन-सहन का खास ध्यान देने की जरूरत है। ऐसे में फ्रिज का पानी नुकसानदेह हो सकता है।

रेवाड़ी। नागरिक अस्पताल में ओपीडी के बाहर लगी लोगों की भीड़। फोटो : हरिभूमि

चार दिन में दोगुनी बढ़ गई ओपीडी

डा. गौरव ने बताया कि मौसम में अचानक हुए बदलाव के कारण ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ गई है। चार दिन पूर्व जहां ओपीडी में प्रतिदिन 150 से 200 मरीज विभिन्न बीमारियों से संबंधित अपना इलाज कराने आ रहे थे। वहीं, अब खांसी, जुकाम, सर्दी व गला खराब के मरीजों की संख्या 250 से 300 के पार पहुंच गई हैं। नागरिक अस्पताल में रोजाना सभी बीमारियों के 1500 से अधिक मरीजों की ओपीडी ली जा रही है।

साफ-सफाई पर ध्यान देने की जरूरत

बाल रोग विशेषज्ञ डा. मोनिका शर्मा ने बताया कि बच्चों में उल्टी, दस्त व बुखार के मामले बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि गंदगी व दूषित पानी से अधिकतर बीमारियां फैल रही है। ऐसे में माता-पिता को बच्चों की साफ-सफाई और स्तनपान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने बच्चों को बीमारियों से बचाने के लिए साफ-सफाई पर विशेष ध्यान रखने की की सलाह दी।

नाक से खून बहने की आई समस्या

ईएनटी विशेषज्ञ डा. अशोक रंगा ने बताया कि तेज गर्मी व धूल के कारण बच्चों व बडों दोनों में नाक से खून बहने की समस्या देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि नागरिक तेज धूप से बचें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और बाहर निकलते समय मुंह को ढककर निकले।

एलर्जी, दर्द, बुखार व दस्त के मरीज बढ़े

डा. अनु जैन ने कहा कि एलर्जी, दर्द, बुखार व दस्त के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। मौसम में अचानक हुए बदलाव से रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है, जिससे लोग संक्रमण की चपेट में जल्दी आ जाते हैं। बदलते मौसम में सबसे ज्यादा बुजुर्ग प्रभावित हो रहे है।

संक्रमण की चपेट में आ रहे लोग

मौसम में उतार-चढ़ाव की वजह से लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो रही हैं। नागरिक अस्पताल में इलाज का पूरा प्रबंध है। किसी तरह का बुखार व समस्या होने पर नजदीक के स्वास्थ्य केंद्र पर उपचार कराएं। सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में वर्तमान में इलाज के लिए सभी टेस्ट किए जा रहे है तथा ज्यादातर दवाईयां भी उपलब्ध है। -डा. सुरेंद्र यादव, पीएमओ, रेवाड़ी

रेवाड़ी। जिला टास्क फोर्स की बैठक में दिशा-निर्देश देते डीसी अभिषेक मीणा।

जिला टास्क फोर्स की बैठक में डीसी ने दिए दिशा निर्देश

- महिलाओं व बच्चों में कुपोषण और एनीमिया को खत्म करने के लिए जिले में चलाई जा रही सभी गतिविधियों का प्रभावी कार्यान्वयन और निगरानी करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

राष्ट्रीय पोषण अभियान के तहत महिलाओं व बच्चों में कुपोषण और एनीमिया को खत्म करने के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया गया है, जोकि जिले में चलाए जा रहे कार्यक्रमों की निगरानी व कार्डिनेशन का काम करेगी। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि महिलाओं व बच्चों में कुपोषण और एनीमिया को खत्म करने के लिए जिले में चलाई जा रही सभी गतिविधियों का प्रभावी कार्यान्वयन और निगरानी करें। डीसी ने शुक्रवार को लघु सचिवालय में जिला टास्क फोर्स की बैठक लेते हुए कहा कि पोषण अभियान के तहत जमीनी स्तर पर कार्य करें। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए गांव स्तर पर पोषण पंचायतों को भी शामिल किया जाए। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में बनाए जा रहे भोजन की गुणवत्ता ध्यान रखने सहित केंद्रों में इसकी जांच करने के निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ स्वास्थ्य, आयुष तथा शिक्षा विभागों के प्रतिनिधि मिलकर मुहिम को सफल बनाएं। आहार विविधता को बेहतर बनाने के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों, पंचायती भूमि और सामुदायिक स्थानों पर पोषण वाटिकाएं बनाने की योजना बनाएं।

जागरूक करें

उन्होंने कहा कि बालिकाओं को प्रोत्साहित करने के लिए आर्थिक सहायता देते हुए लोगों में जागरूकता अभियान चलाएं। बैठक में ग्राम पंचायत स्तर पर बेटी जन्मोत्सव मनाने की योजना बनाई गई। एकल बालिका योजना के तहत नसबंदी कराने वाली माताओं को प्रोत्साहित करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में पीसी एवं पीएनडीटी और एमटीपी छापों और जिले के लिंग अनुपात की समीक्षा की गई। वहीं हर तिमाही में माध्यमिक शिक्षा स्तर पर लड़कियों के बीच स्कूल छोड़ने की दर और लड़कियों व महिलाओं के कौशल विकास पर भी चर्चा की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी शालू यादव ने विभागीय गतिविधियों से अवगत कराया।

आईजीयू में अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस पर स्वास्थ्य शिविर व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रेवाड़ी। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर में अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय की महिला स्टाफ, नॉन-टीचिंग स्टाफ और छात्राओं के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह थे। कुलसचिव ने रेडक्रॉस दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। डा. अल्पना गुलाटी ने सभी कर्मचारियों एवं छात्राओं के स्वास्थ्य की जांच की। मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की प्रतिनिधि मीनाक्षी ने महिलाओं के कानूनी अधिकारों और निःशुल्क कानूनी सहायता की जानकारी दी। उन्होंने घरेलू हिंसा अधिनियम, दहेज निषेध अधिनियम व कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम के बारे में बताया। इस मौके पर यूथ रेडक्रॉस कोऑर्डिनेटर डा. समृद्धि के नेतृत्व में डा. भारती, डा. प्रियंका रंगा, डा. सुनील प्रसाद, समाजसेवी सतीश मस्तान व अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग प्रो. करण सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

लंबित शिकायतों का शीघ्र निपटान करें: डीसी

- सभी विभागाध्यक्षों के साथ समाधान शिविर, सीएम विंडो, जनसंवाद तथा सीपीग्राम पोर्टल पर आई शिकायतों की समीक्षा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। अधिकारियों की बैठक लेते हुए डीसी अभिषेक मीणा। फोटो : हरिभूमि

डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि लोगों की सुविधा के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशा-निर्देशानुसार नागरिकों की शिकायतों का समाधान करने के लिए अब सप्ताह में दो दिन सोमवार व वीरवार को समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं। साथ ही डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से अनेक पोर्टल जनसेवा को समर्पित किए गए हैं, जिसकी प्रत्येक शुक्रवार को प्रदेश स्तर पर समीक्षात्मक बैठक वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से लेते हुए प्रगति रिपोर्ट ली जा रही है। डीसी लघु सचिवालय सभागार में सभी विभागाध्यक्षों के साथ समाधान शिविर, सीएम विंडो, जनसंवाद तथा सीपीग्राम पोर्टल पर आई शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी विभागाध्यक्ष शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए नियमित निगरानी और त्वरित कार्रवाई करें। बैठक से पूर्व खान एवं भू विज्ञान विभाग हरियाणा के आयुक्त एवं सचिव टीएल सत्यप्रकाश ने वीसी के माध्यम से प्रदेश भर के उपायुक्त के साथ सीएम विंडो व समाधान शिविर की प्रगति के बारे में अधिकारियों को निर्देश दिए।

मौजूद रहे

डीसी अभिषेक ने कहा कि समाधान शिविरों का उद्देश्य जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि अधिकारी सीएम विंडो व सीपीग्राम पोर्टल पर लंबित शिकायतों का शीघ्र निपटान करें। इसके उपरांत जिला समन्वय समिति की भी बैठक हुई, जिसमें डीसी ने सभी विभागीय अधिकारियों को एक दूसरे विभाग से संबंधित कार्यों की अपडेट रिपोर्ट लेते हुए सामंजस्य कायम कर विकास कार्य निर्धारित अवधि में पूरा करने के आदेश दिए। इस अवसर पर एसपी हेमेन्द्र मीणा, एडीसी अनुपमा अंजलि, एसडीएम सुरेंद्र सिंह, एसडीएम बावल उदय सिंह, एसडीएम कोसली विजय कुमार व सीटीएम प्रीति रावत सहित सभी विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

दिव्यांग बच्चों को पहुंचाया जा रहा सरकार की हर योजना का लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। दिव्यांग बच्चे को सहायक उपकरण भेंट करती एडीसी।

सेक्टर-4 स्थित जिला परियोजना संयोजक कार्यालय समग्र शिक्षा में दिव्यांग छात्रों के लिए सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में एडीसी व अध्यक्ष समग्र शिक्षा अनुपमा अंजलि ने शिरकत की तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला परियोजना संयोजक राजेन्द्र शर्मा ने की। मुख्य अतिथि एडीसी ने जिले के दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण वितरित किए। बच्चों को ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर, सीपी चेयर, श्रवण यंत्र व कैलीपर वितरित किए गए। आयोजित चिकित्सा जांच शिविर में चिन्हित किया गया था। इस मौके पर एडीसी ने कहा कि समग्र शिक्षा की पूरी टीम निःस्वार्थ भाव से अपने हर कार्य को कर रही है, जिसमें दिव्यांग बच्चों को सरकार की हर योजना का लाभ पंहुचाया जा रहा है। दिव्यांगों के लिए चिकित्सा जांच शिविर, सहायक उपकरण की उपलब्धता, विद्यालयों में विशेष शौचालयों का निर्माण तथा समावेशी शिक्षा के तहत खेलकूद एंव सास्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

ये नया भारत-वीरों का भारत कार्यक्रम कल

रेवाड़ी। हमारा परिवार संस्था की ओर से देश के वीर सैनिकों को समर्पित कार्यक्रम 'ये नया भारत-वीरों का भारत' का आयोजन 11 मई को पंजाबी धर्मशाला में किया जाएगा। संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने बताया कि आईएमए के पूर्व जिला प्रधान डा. दीपक यादव कार्यक्रम में मुख्यातिथि व शिक्षाविद प्रो. सीएल सोनी विशिष्टातिथि रहेंगे। संस्था की ओर से नई दिशा युवा मंच के जिला प्रधान एडवोकेट निशांत यादव, नवप्रेरणा संस्था के जिला प्रधान हरीश मलिक, रोटरी क्लब रेवाड़ी मेन के प्रधान मनीष अरोड़ा व सरदार प्रीतपाल विग प्रधान गुरूद्वारा श्रीगुरू नानक सिंह सभा बारा हजारी का अभिनंदन किया जाएगा।

सूचना के अधिकार की जानकारी आवश्यक

- इंदिरा गांधी विवि मीरपुर में सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों और इसके व्यावहारिक पहलुओं को समझने के लिए व्याख्यान का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। शिक्षकों को जानकारी देते हुए भूपेंद्र धर्माणी। फोटो : हरिभूमि

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर में आरटीआई प्रकोष्ठ की ओर से शुक्रवार को सूचना का अधिकार अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों और इसके व्यावहारिक पहलुओं को समझने के लिए व्याख्यान का आयोजन किया गया। पूर्व राज्य सूचना आयुक्त हरियाणा सरकार भूपेंद्र धर्माणी कार्यक्रम के मुख्य वक्ता थे। कुलसचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह ने मुख्य वक्ता स्वागत किया। विश्वविद्यालय के फर्स्ट अपीलेट अधिकारी सतीश खुराना एवं एसपीआईओ डा. महावीर बड़क ने भी मुख्य वक्ता का स्वागत किया। कुलसचिव ने कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि जानकारी के अभाव में अक्सर विभिन्न विभाग सूचनाओं को देने से डरते हैं। भूपेंद्र धर्माणी ने बताया कि सूचना का अधिकार अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान लागू हुआ था। इसे स्वराज को सही मायने में स्थापित करने के लिए लागू किया गया।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर वृद्ध से ठगी, एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। शेयर मार्केट में निवेश करते हुए मोटा पैसा कमाने का लालच देकर वृद्ध व्यक्ति के साथ लगभग 3.13 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में साइबर थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके खाते में ठगी की लगभग 1.93 लाख रुपये राशि ट्रांसफर हुई थी। राधा स्वामी कॉलोनी निवासी सीनियर सिटीजन लालसिंह ने गत वर्ष 31 दिसंबर को साइबर थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया था कि उसने नवंबर माह में सोशल मीडिया पर शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने का विज्ञापन देखा था। फेसबुक से मिले नंबरों पर फोन करने पर उसका संपर्क खुद को आर्यन यादव बताने वाले व्यक्ति से हुआ। उसने उसे एक व्हाट्सग्रुप से जोड़ दिया। गुरप से हुई बातचीत के आधार पर उसने एक नामी कंपनी के 2400 शेयर 50 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से खरीद लिए। इसके लिए उसने बैंक के माध्यम से 1.20 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। इसके बाद उसके पास एक महिला का फोन आया, जिसने आईपीओ खरीदने के लिए उससे बात की। उससे पूर्व में इस्टाल कराई एप को अपडेट करने के लिए कहा। इसके बाद महालक्ष्मी कंपनी का आईपीओ खरीदने के लिए 16 लाख रुपये इन्वेस्ट करने को कहा।

ठगी के मामले में गिरफ्तार आरोपी मनीष दूबे।

धर्म कर्म नई अनाजमंडी स्थित शिव मंदिर में मोहनी एकादशी पर श्री श्याम संकीर्तन

अर्जी सुनकर आवेगो तू सगला ने विश्वास है आणो पड़सी सेठ सांवरा भक्ता की अरदास है...

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। संकीर्तन में सजा श्रीश्याम बाबा का दरबार व भजन गाते हुए गायक अजय शर्मा।

नई अनाजमंडी स्थित श्री श्याम बाबा के मंदिर में मोहनी एकादशी के अवसर पर श्री श्याम प्रभु के 116वें भव्य संकीर्तन का आयोजन किया गया। एकादशी पर्व पर कुतुबपुर निवासी मनोज सैनी व सुनील तथा कंपनी बाग निवासी नगर पार्षद भूपेन्द्र गुप्ता ने श्री श्याम बाबा का मनमोहक श्रृंगार कराया। श्री श्याम श्रृंगार सेवा ग्रुप के सदस्यों ने बाबा की ज्योत प्रज्जवलित करके संकीर्तन का शुभारंभ किया। श्री श्याम संकीर्तन में राजस्थान दौसा से गायक अजय शर्मा तथा गोकलगढ़ रेवाड़ी से गायक संजय शर्मा ने अनेक मनमोहक भजनों से श्री श्याम बाबा की महिमा का गुणगान किया। शुक्रवार को द्वादशी के अवसर पर शिव मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया।

गायकों ने भाव भरे भजन सुनाए

मोहनी एकादशी पर आयोजित श्री श्याम संकीर्तन में सर्वप्रथम गोकलगढ़ से भजन गायक संजय शर्मा ने गणेश जी व हनुमान जी की वंदना की। उसके बाद दौसा से गायक अजय शर्मा ने 'तुमने संभाला है मुझे हर बार सांवरे, तेरी कृपा से ही चले परिवार सांवरे' व 'करले श्याम से बता तेरा मन हलका हो जाएगा, ये सिर पे हाथ फिराएगा' व 'अर्जी सुनकर आवेगो तू सगला ने विश्वास है, आणो पड़सी सेठ सांवरा भक्ता की अरदास है' सहित अनेक भजनों से बाबा की महिमा का गुणगान किया। श्याम बाबा के संकीर्तन में चरत अग्रवाल, रवि भट्ठेवाले, विजय अग्रवाल, रितेश बंसल, राजुल, राजन, अमित गुप्ता, अनिल मखीजा, मनीष सचदेवा, राजेश अग्रवाल, अचल गुप्ता, विकास बंसल, नरेश वशिष्ठ, नवीन भारद्वाज, दीपेश भार्गव, कुशल गोयल, मयूर गोयल, मीनाक्षी, शीतल, वंदना, शालू, सपना, हीना, सोनू, आरती, अभिलाषा व कविता सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद थे।